सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

पाठ्यक्रम

एम. ए. हिंदी साहित्य
एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी
(2018-2019, 2019-2020, 2020-2021)

हिंदी विभाग
मानविकी संकाय
सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे- 07

अनुक्रम

एम. ए. हिंदी साहित्य			
कोर्स न.	**प्रथम अयन**		**04 से 15**
H- 1	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य		05
H- 2	आधुनिक गद्य		08
H- 3	भाषाविज्ञान		10
H- 4	वैकल्पिक		12
	क)	हिंदी नाटक और रंगमंच	12
	ख)	विज्ञापन और हिंदी	14
कोर्स न.	**द्वितीय अयन**		**16 से 28**
H- 5	आधुनिक गद्य (कथेत्तर साहित्य)		17
H- 6	कंप्यूटर परिचय और भाषिक अनुप्रयोग		19
H- 7	शोध प्रविधि		22
H- 8	वैकल्पिक		24
	ग)	रेडियो लेखन और प्रस्तुति	24
	घ)	कथासाहित्य	27
कोर्स न.	**तृतीय अयन**		**29 से 39**
H- 9	आधुनिक काव्य		30
H- 10	भारतीय काव्यशास्त्र		32
H- 11	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार		34
H- 12	वैकल्पिक		36
	ट)	विविध विमर्श (दलित, आदिवासी, स्त्री, किन्नर)	36
	ठ)	भाषा शिक्षण	38
कोर्स न.	**चतुर्थ अयन**		**40 से 50**
H- 13	भारतीय साहित्य		41
H- 14	पाश्चात्य काव्यशास्त्र		43
H- 15	हिंदी साहित्य का इतिहास		45
H- 16	वैकल्पिक		47
	ड)	शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र	47
	ढ)	भारतीय लोकसाहित्य	49

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी			
कोर्स न.	**प्रथम अयन**		**51 से 62**
PH- 1	भाषा और भाषाविज्ञान		52
PH- 2	कंप्यूटर परिचय और भाषिक अनुप्रयोग		54
PH- 3	रेडियो लेखन और प्रस्तुति		57
PH- 4	वैकल्पिक		59
	क)	हिंदी नाटक और रंगमंच	59
	ख)	कोशविज्ञान	61
कोर्स न.	**द्वितीय अयन**		**63 से 73**
PH- 5	राजभाषा हिंदी : संवैधानिक स्थिति		64
PH- 6	हिंदी भाषा की संरचना		66
PH- 7	शोध प्रविधि		68
PH- 8	वैकल्पिक		70
	ग)	प्रयोजनमूलक हिंदी अवधारणा और स्वरूप	70
	घ)	संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप	72
कोर्स न.	**तृतीय अयन**		**74 से 84**
PH- 9	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार		75
PH- 10	कार्यालयी हिंदी		77
PH- 11	हिंदी पत्रकारिता		79
PH- 12	वैकल्पिक		81
	ट)	माध्यम लेखन	81
	ठ)	प्रयोजनमूलक अनुवाद	83
कोर्स न.	**चतुर्थ अयन**		**85 से 95**
PH- 13	भाषा शिक्षण		86
PH- 14	विज्ञापन और हिंदी		88
PH- 15	हिंदी शब्द स्रोत और पारिभाषिक शब्दावली		90
PH- 16	वैकल्पिक		92
	ड)	हिंदी आलोचना	92
	ढ)	शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र	95

***

एम. ए. हिंदी साहित्य
प्रथम अयन

H- 1 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

H- 2 आधुनिक गद्य

H- 3 भाषा विज्ञान

H- 4 वैकल्पिक

क) हिंदी नाटक और रंगमंच

ख) विज्ञापन और लेखन

एम. ए. हिंदी साहित्य

प्रथम अयन :

पाठ्यचर्या : H 1प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य
4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. हिंदी की प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य प्रवृत्तियों का परिचय देना।
2. प्राचीन काव्य प्रकृतियों की पृष्ठभूमि पर कवि विशेष की रचनाओं का परिचय कराना।
3. तत्कालीन काव्य—भाषा की प्रवृत्तियों का परिचय देना।
4. पाठ्य—कृतियों के आधार पर काव्य—मूल्यांकन की क्षमता का विकास करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई–I	प्राचीन काव्य संदेश रासक — वसंत वर्णन (अब्दुलरहमान)
इकाई –II	पूर्वमध्यकालीन काव्य (कबीर/जायसी) **कबीर :** १) मो कों कहाँ ढूँढे बन्दे, मैं तो तेरे पास में। २) एक अचंभौ दखारे भाई। ३) साधो, पांडे निपुन कसाइ। ४) मेरा—तेरा मनुआँ कैसे इक होई रे। ५) पीछे लागा जाइथा, लोक वेद के साथि। **जायसी :** नागमती वियोग वर्णन (पाँच पद, पद्मावत १५ वाँ संस्करण)
इकाई –III	पूर्वमध्यकालीन काव्य (सूरदास, मीराबाई) **सूरदास :** (पाँच पद) १) सिखवति चलन जसों दा मैया। २) मैया, मैं तो चंद—खिलौना लैहौं। ३) मैया मोहिं दाऊ बहुत खिझायौ। ४) खेलत मैं को काकौ गुसैयाँ। ५) मैया मैं नहिं माखन खायौ। **मीराबाई :** १) राग परमंजरी माई साँवरे रंग राची। २) राग गुसकली

	मैं तो गिरधर के घर जाऊँ ३) राग पीलू पग बाँध घुँघरयाँ णाच्यारी।। ४) राग खम्माच मीराँ मगन भई हरि के गुण गया।। ५) राग सारंग नंदनँदन मण भायाँ बादलाँ णभ छयाँ।।
इकाई –IV	उत्तर मध्यकालीन काव्य (घनानंद/भूषण) **घनांनद :** १) प्रीत्तम सुजान मेरे हित के निधान कहौ २) आँखें जैंन देखैंतो कहा हैं कछु देखति ने ३) चातिक चुहल चहुँ ओर चाहै स्वाति ही कों ४) दसन–बसन ओलो भरियै रहै गुलाल ५) अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयापन बाँक नहीं। **भूषण :** १) इन्द्र जिमि जंग पर वाडव सुअंभ पर २) महराज सिवराज तेरे बैर देखियत ३) दच्छिन कों दाबि करि बैठो है सइस्त खान ४) कोट गढ़ दै कैं माल मुलुक मैं बीजापुरी ५) दारुन दइत हिरनाकुस बिदारिबे को

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का पूछा जाएगा जिसमें चारों इकाइयों से एक–एक ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन –50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा –50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. संदेश रासक — सं. हजारीप्रसाद द्विवेदी, विश्वनाथ त्रिपाठी
2. कबीर — हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. जायसी ग्रंथावली — सं. रामचंद्र शुक्ल
4. संक्षिप्त सूरसारगर — सं. डॉ. प्रेमनारायण टंडन
5. मीराबाई की पदावली — सं. परशुराम चतुर्वेदी
6. महाकवि भूषण — सं. भगीरथ प्रसाद दीक्षित
7. घनानंद कवित्त — चंद्रशेखर मिश्र शास्त्री
8. साहित्य और मानवीय संवेदना — डॉ. सदानंद भोसले

x x x

एम. ए. हिंदी साहित्य

प्रथम अयन :

पाठ्यचर्या : H 2 आधुनिक गद्य

4 **कर्माक**

उद्देश्य :

1. हिंदी गद्य साहित्य की सामान्य विशेषताओं का परिचय देना।
2. हिंदी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं के रूप में नाटक, निबंध, कहानी और उपन्यास साहित्य का परिचय देना।
3. गद्य साहित्य के प्रति सृजनात्मक रूझान निर्माण करना।
4. पाठ्यकृतियों के आधार पर गद्य साहित्य के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन की क्षमता विकासित करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई–I	**निर्धारित रचना (नाटक)** सिंहासन खाली है— सुशीलकुमार सिंह कथ्यगत अध्ययन रंगमंचीय अध्ययन तात्विक मूल्यांकन
इकाई –II	**निर्धारित रचना (निबंध)** कवि और कविता — आ. महावीरप्रसाद द्विवेदी लज्जा और ग्लानी — आ. रामचंद्र शुक्ल कुटज — आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी बेतवा के तीर पर — विद्यानिवास मिश्र कथ्यगत अध्ययन शिल्पगत अध्ययन
इकाई –III	१) उसने कहा था — चंद्रधर शर्मा गुलेरी २) नशा — प्रेमचंद ३) समय — यशपाल ४) संवदिया — फणिश्वरनाथ 'रेणु' ५) हुन्स बानो का आठवां सवाल — शरद सिंह कथ्यगत अध्ययन शिल्पगत अध्ययन
इकाई –IV	हलफ़ नामा — राजू शर्मा कथ्यगत अध्ययन कथ्यगत अध्ययन शिल्पगत अध्ययन

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। पाँचवा प्रश्न ससंदर्भ व्याख्या का चारों इकाइयों में से होगा।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20,प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. नाटक नामा — डॉ. नरनारायण राय
2. समकालीन हिंदी नाटक — गिरिश रस्तोगी
3. हिंदी निबंधकार — जयनाथ नलिन
4. हिंदी के प्रमुख निबंधकार : रचना और शिल्प — गणेश सरे
5. हिंदी निबंध का शैलीगत अध्ययन — डॉ. मु. ब. शहा
6. कथाकार फणीश्वरनाथ 'रेणु' — डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
7. कथाविवेचना और गद्य शिल्प — रामविलास शर्मा

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

प्रथम अयन :

पाठ्यचर्या : H 3 भाषा विज्ञान

4 **कर्मांक**

उद्देश्य :

1. भाषाविज्ञान के स्वरूप, व्याप्ति और अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
2. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक अनुप्रयोगात्मक पक्ष से अवगत कराना।
3. साहित्य—अध्ययन में भाषा विज्ञान की उपयोगिता से परिचय कराना।

पाठ्यविषय :	
इकाई –I	भाषाविज्ञान : परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति। अध्ययन की दिशाएँ, भाषाविज्ञान के भेद— वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक और अनुप्रयुक्त।
इकाई –II	स्वनिम विज्ञान : स्वन की परिभाषा, वागावयव और कार्य, स्वन वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिम परितवर्तन, स्वनिम की परिभाषा, स्वरूप और विश्लेषण।
इकाई–III	रूपिम विज्ञान : रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की परिभाषा, रूपिम के भेद और प्रकार्य। पदबंध और उपवाक्य : पदबंध का स्वरूप, पदबंध के भेद, उपवाक्य का स्वरूप, उपवाक्य के भेद।
इकाई–IV	वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण। अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण। साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा और समाज — रामविलास शर्मा
2. आधुनिक भाषा विज्ञान — राजमणि शर्मा
3. सांस्कृतिक भाषा विज्ञान — डॉ. रामानंद तिवारी
4. भाषा विज्ञान — सं. डॉ. राजमल बोरा
5. भाषा शास्त्र तथा हिंदी भाषा की रूपरेखा — डॉ. देवेंद्रकुमार शास्त्री
6. भाषा विज्ञान — भोलानाथ तिवारी
7. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
8. हिंदी भाषा संरचना — डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. आधुनिक भाषाविज्ञान — डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
10. हिंदी का वाक्यात्मक कारण — प्रो. सूरजभान सिंह
11. भाषाविज्ञान के आधुनातन आयाम — डॉ. अंबादास देशमुख
12. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी — राजेंद्र प्रसाद सिंह
13. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन — रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
14. भाषाशास्त्र के सूत्रधार — रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
15. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा — लक्ष्मीकांत पाण्डेय/प्रमिला अवस्थी
16. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा — मुकेश अग्रवाल
17. भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और लिपि — राम किशोर शर्मा
18. भाषा विज्ञान की भूमिका — देवेंद्रनाथ शर्मा/दीप्ति शर्मा
19. अद्यतन भाषा विज्ञान — पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
20. हिंदी भाषा विज्ञान — डॉ. बाबूराम
21. सामान्य भाषिकी — आर. एच. रोबिन्स
22. भाषिकी और संस्कृत भाषा — डॉ. देवीदत्त शर्मा
23. भारतीय भाषा विज्ञान की भूमिका — भोलनाथ तिवारी
24. भाषाविज्ञान कोश — भोलनाथ तिवारी

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

प्रथम अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : H 4 (क) हिंदी नाटक और रंगमंच

4 **कर्मांक**

उद्देश्य :

1. नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचय कराना।
2. नाटक के रचनाविधान और रंगमंच से परिचय कराना।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास का परिचय देना।
4. नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई–I	नाटक : परंपरा और विकास नाटक और रंगमंच, परिभाषा, स्वरूप एवं संरचना नाटक की भारतीय परंपरा नाटक की पाश्चात्य परंपरा पारसी थिएटर हिंदी नाटक का विकास।
इकाई–II	हिंदी रंगमंच हिंदी रंगमंच का विकासक्रम हिंदी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ रंगभाषा।
इकाई –III	निर्धारित नाटक ताजमहल का टेंडर — अजय शुक्ला — कथ्यगत अध्ययन — रंगमंचीय अध्यन — तात्विक मूल्यांकन।
इकाई –IV	निर्धारित कविता सबसे उदास कविता — स्वदेश दीपक — कथ्यगत अध्ययन — रंगमंचीय अध्यन — तात्विक मूल्यांकन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। निर्धारित पाठ्यपुस्तकों पर ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा — 50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. नाटक और रंगमंच — संपा. गिरिश रस्तोगी
2. रंग दर्शन — नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास — दशरथ ओझा
4. हिंदी नाटक — बच्चन सिंह
5. हिंदी नाट्य विमर्श — संपा. सदानंद भोसले
6. रंगभाषा — नमिचंद्र जैन
7. पारसी थियेटर उद्‌भव और विकास — सोमनाथ गुप्त
8. रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र — देवराज अंकुर
9. बीसवीं शताब्दी का रंगकर्म — डॉ. लवकुमार
10. नाट्यालोचन — डॉ. माधव सोनटक्के
11. नाट्यचिंतन और रंगदर्शन अंत:संबंध — गिरिश रस्तोगी

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

प्रथम अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : H 4 (ख) विज्ञापन और हिंदी

4 : **क्रमांक**

उद्देश्य :

1. विज्ञापन के स्वरूप और महत्व का परिचय देना।
2. विज्ञापन के भाषिक पक्ष से अवगत कराना।
3. विज्ञापन—लेखन प्रविधि का प्रशिक्षण देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई –I	विज्ञापन : संकल्पना, स्वरूप एवं महत्व विज्ञापन व्यवसाय में हिंदी की आवश्यकता विज्ञापनों के अनुवाद।
इकाई–II	मुद्रित और विद्युतीय माध्यमों में विज्ञापनों का स्वरूप, प्रभेद और प्रतिस्पर्धा विज्ञापनों के प्रकार और उनकी भाषा।
इकाई –III	विज्ञापन का भाषिक पक्ष और उपभोक्तावाद विज्ञापन का श्रोता, पाठक और प्रेक्षक पर प्रभाव विज्ञापन लेखन : भाषा—शिल्प एवं प्रविधि।
इकाई–IV	विज्ञापन—कला, संपादन, निर्देशन एवं प्रस्तुति विज्ञापन कानून एवं आचार—संहिता।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। एक प्रश्न प्रायोगिक पूछा जाएगा।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20 (शोध परियोजना में छात्रों से प्रत्यक्ष कार्य अपेक्षित है।), प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

प्रायोगिक प्रश्न : 1 x10 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. विज्ञापन — अशोक महाजन
2. मीडिया लेखन: सिद्धांत और व्यवहार — डॉ. चंद्रप्रकाश
3. मीडिया लेखन — सं. रमेश त्रिपाठी, अग्रवाल
4. प्रयोजनमूलक हिंदी — डॉ. माधव सोनटक्के
5. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन — विजय कुलश्रेष्ठ
6. डिजिटल युग में विज्ञापन — सुधासिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
7. विज्ञापन की दुनिया — कुमुद शर्मा
8. विज्ञापन डॉट कॉम — रेखा सेठी

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य
द्वितीय अयन

H- 5 आधुनिक गद्य (कथेत्तर साहित्य)

H- 6 कंप्यूटर परिचय और भाषिक अनुप्रयोग

H- 7 शोध प्रविधि

H- 8 वैकल्पिक

ग) रेडियो लेखन और प्रस्तुति

घ) कथासाहित्य

एम. ए. हिंदी साहित्य

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : H 5 आधुनिक गद्य (कथेत्तर साहित्य)

4 : **क्रमांक**

उद्देश्य :

1. जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र और यात्रा वर्णन विधा से अवगत कराना।
2. आलोच्य लेखकों के परिचय से अवगत कराना।
3. जीवनी, आत्मकथा, रेखाचित्र और यात्रण वर्णन का भाषिक अध्ययनकरना।

पाठ्यविषय :	
इकाई–I	**जीवनी साहित्य** आवारा मसीहा (प्रथम पर्व)— विष्णु प्रभाकर — आलोचनात्मक अध्ययन — अंर्तवस्तु/भाषागत अध्ययन।
इकाई–II	**आत्मकथा साहित्य** एक कहानी यह भी— मन्नू भंडारी — आलोचनात्मक अध्ययन — अंर्तवस्तु/भाषागत अध्ययन।
इकाई –III	**रेखाचित्र साहित्य** माटी की मूरतें — रामवृक्ष बेनिपुरी — आलोचनात्मक अध्ययन — अंर्तवस्तु/भाषागत अध्ययन।
इकाई–IV	**यात्रा वर्णन साहित्य** एक बूंद सहसा उछली(एक यूरोपिय चिंतक से भेंट)— सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' — आलोचनात्मक अध्ययन — अंर्तवस्तु/भाषागत अध्ययन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। तथा सभी इकाईयों से संसदर्भ व्याख्या का प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी का जीवनीपरक साहित्य — शांति खन्ना
2. हिंदी आत्मकथाएँ : संदर्भ और प्रकृति — सं. श्यामसुंदर पाण्डेय
3. हिंदी रेखाचित्र — डॉ. हरवंशलाल शर्मा
4. यात्रा साहित्य का उद्‌भव और विकास — डॉ. सुरेंद्र माथुर
5. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य — डॉ. ईरेश स्वामी

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : 6 कंप्यूटर परिचय और भाषिक अनुप्रयोग

4 : **क्रमांक**

उद्देश्य :

1. छात्रों को कंप्यूटर से अवगत करना।
2. छात्रों को हिंदी के विभिन्न सॉफ्टवेयर से अवगत करना।
3. छात्रों को हिंदी टंकण का प्रत्यक्ष कार्य करवाना।
4. छात्रों को इंटरनेट एवं वेब पेज से अवगत करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई –I	**कंप्यूटर परिचय :** कंप्यूटर का इतिहास—विकासीय आयाम, कंप्यूटर शब्द का प्रयोग, कम्प्यूटर का वर्गीकरण, आधुनिक पर्सनल कंप्यूटर, कंप्यूटर का उपयोग। कंप्यूटर की भाषा एवं प्रोग्राम—बाइनरी संख्या प्रणाली, आस्की, कम्प्युटर की भाषाएँ Machine Language, Assembly Language, High Level Languages, Fortran, C, C++, Pascal, Dbase, Oracle आदि की सामान्य जानकारी। कंप्यूटरसंरचना—हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की सामान्य जानकारी, इनपुट युक्तियाँ (Input Devices) : कुन्जीपटल (Enter, Shift, Capslock, Tab, Numlock ect.), माऊस, स्केनर, डी. वी. डी. ड्राईव, कार्डरीडर, माइक्रोफोन, आउटपुट युक्तियाँ (Output Devices) : मॉनीटर, स्पीकर, प्रिन्टर, प्रोजेक्टर, हेडफोन आदि। कंप्यूटरसंरचना—सी. पी. यू. पेटिका, मुख्य भाग, विद्युत प्रदाय इकाई, मदरबोर्ड, पोर्टस आदि। कम्प्यूटर की पारिभाषिक शब्दावली Aसे Zतक।
इकाई–II	**मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस (Microsoft Office)** **एम. एस. वर्ड (M.S. Word)** :Introduction of M.S. Word, New Page Open, Adding Shapes, Insert Table. Page Layout, Page Number, Header & Footer, Previewing doc. Print a doc. Menus, Paragraph formats, Aligning Text, Borders & Multiple Columns, file lock, Paper Size, Colors information, keyboard Shortcuts ect. **एक्सेल(Excel)** : Introduction of Excel,Creating worksheet, heading information, data, text, cell formatting, toolbars & Menus, Wrap Text, Merge & Center, wordart, file lock, Page setting,keyboard Shortcutsect. **एम. एस. पॉवरपॉइंट (M.S. Word)** :Introduction of PPT,New Slide, Copy,

	delete, duplicate Slide, lay outing of slide, PPT Design, alignment, print slide, slide effects, PPT show, keyboard Shortcuts ect. Practical for Language Lab
इकाई–III	**डेक्स टॉप पब्लिशिंग** (D.T.P.) यूनीकोड (Unicode)की विस्तृत जानकारी, अन्य फॉन्ट की सामान्य जानकारी, एक फॉन्ट से दूसरे फॉन्ट में कन्वर्ट (Convert)कैसे करें। **Page Maker :** Introduction of Page Maker, all Menus, keyboard Shortcuts, Page Setting, Page break, Header & Footer, Multiple Columns, Borders & Coolersect & Files, Special effects, Print Doc., Save, close, open file ect. **Photoshop :**Introduction of Photoshop, Creating file, Mode of Color, Selection tolls, Printing document, Save file as a PDF, JPEG, TIFF, PNG ect. **Corel Draw :** Introduction of Corel Draw, New Creating Document, Type text, Saving Doc, coolers Practical for Language Lab
इकाई –**IV**	**इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग** (**Internet & Web page Designing**) **Internet** Evolution, Protocols, Interface Concepts, Internet Vs Intranet, Growth of Internet, ISP, Connectivity – Dial-up, Leased line, VSAT etc. URLs, Domain names, Portals, Application.E-Mail. Concepts, POP and WEB Based E-mail, merits, address, Basic of Sending & Receiving, E-mail Protocols, Mailing List, and Free E-mail services, FTP. **World Wide Web (WWW)** History, Working, Web Browsers, Its functions, Concept of Search Engines. Searching the Web, HTTP, URLs, Web Servers, Web Protocols. **Web Publishing** Concepts, Domain name Registration, Space on Host Server for Web site, HTML, Design tools, HTML editors, Image editors, Issues on Web site creations & Maintenance, FTP software for upload web site. हिंदी के प्रमुख इंटरनेटपोर्टल, डाउनलोडिंग और अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर की जानकारी। Practical for Language Lab

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन —50

(लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना (20) में छात्रों से प्रत्यक्ष कार्य करवाया जाएगा।, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा के बढ़ते समय — ऋषभदेव शर्मा
2. Funda, ental of Computer – Rajaraman, Prentice Hall indiapvt. Limited, New Delhi
3. I. T. Tools and Application – Mansoor, Pragya Publication, New Delhi
4. कम्प्यूटरी सूचना प्रणाली विकास — राम बन्सल
5. जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग — डॉ. राम लखन मीणा
6. सामयिक प्रयोजनमूलक हिंदी — पृथ्वीनाथ पाण्डेय
7. Learning Desk Publishing – Bangia Ramesh, Khanna Book Publishing, Delhi.
8. BPB's DTP Course – Satish Jain, BPS Publication, New Delhi.
9. Corel Draw – Vishnupriya Singh, Asian Computech books, Delhi.
10. Smart DTP Course – Behera& Mishra, B. K. Publication Pvt. Ltd, Delhi.
11. Web Designing Course - Singh, Minakshi & Singh,VishnuPriya, Asian Publisher, Delhi.

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : H 7 शोध प्रविधि

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को शोध प्रविधि से अवगत कराना।
2. शोध दृष्टि का विकास करना।
3. छात्रों को शोध प्रक्रिया और शोध प्रबंध से अवगत कराना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	शोध का स्वरूप : शोध के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य शोध की विभिन्न परिभाषाएँ और उनका विश्लेषण शोध के उद्देश्य, शोध की विवेचन पद्धति वस्तुनिष्ठ, तर्कसंगति, प्रमाणबद्धता।
इकाई —II	शोध के मूलतत्व : शोध और आलोचना शोध के भेद : साहित्यिक,साहित्येत्तर साहित्यिक शोध के भेद : वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, अंतर्विद्याशाखीय।
इकाई —III	शोध प्रक्रिया : विषय चयन,सामग्री संकलन, हस्तलेख संकलन एवं उपयोगिता, तर्क पद्धति : निगमनात्मक पद्धति (Deductive Method) और आगमनात्मक पद्धति (Inductive Method)। विवेचन, निष्कर्ष, स्थापना।
इकाई —IV	शोध—प्रबंध लेखन प्रणाली : शोध प्रबंध, शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख, सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, वर्तनी सुधार।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन —50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20 (छात्रों से प्रत्यक्ष कार्य करवाया जाएगा।), प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. शोधतंत्र और सिद्धांत — शैलकुमारी
2. शोध प्रविधि — डॉ. विनयमोहन शर्मा
3. अनुसंधान की प्रक्रिया — डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक
4. अनुसंधान प्रविधि — सुरेशचंद्र निर्मल
5. अनुसंधान के तत्व — विश्वनाथप्रसाद मिश्र
6. शोध प्रविधि — डॉ. विनयमोहन शर्मा

x x x

एम. ए. हिंदी साहित्य

द्वितीय अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : H 8 (ग) रेडियो लेखन और प्रस्तुति

4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. श्रव्य माध्यम के रूप में रेडियो से परिचित कराना।
2. रेडियो कार्यक्रमों का स्वरूप एवं व्याप्ति का परिचय देना।
3. रेडियो रूपकों की विधि—समझाना।
4. रेडियो समाचार और विज्ञापन का परिचय देना।
5. रेडियो संबंधी प्रयोगिक ज्ञान देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई –**I**	रेडियो का संक्षिप्त इतिहास भारत में रेडियो प्रसारण आकाशवाणी और विविध भारती एफ. एम. चैनल्स सामुदायिक रेडियो तथा अन्य आकाशवाणी कार्यक्रमों का स्वरूप एवं व्याप्ति उद्घोषणा : कार्यक्रम विवरण, स्लोगन, मौसम, बाजार, रेल्वे सयम, उत्सव, मेले और प्रदर्शन, सरकारी/गैरसरकारी सूचनाएँ संदेश : राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल के संदेश एवं विशेष अवसरों, घटनाओं पर अपील शिक्षा : वार्ता, परिचर्चा, भेंटवार्ता, कविता, कहानी, नाटक, रेडियो रूपांतरण। मनोरंजन : शास्त्रीय, अशास्त्रीय संगीत, लोक, सुगम और फिल्म संगीत पाश्चात्य संगीत। समाचार : रेडियो रिपोर्ट, आँखों देखा हाल, सामायिक चर्चा, संसद और विधानसभा आदि की समीक्षा।
इकाई –**II**	आकाशवाणी रूपक, परिभाषा, विकास रूपकों का वर्गीकरण रूपक—लेखन शैली रूपक—निर्माण की प्रक्रिया (शीर्षक, संपादन, अवधि, स्वर, ध्वनि एवं

	संगीत)रूपक प्रारूप रेडियो नाटक : नाटक और रेडियो नाटक रेडियो नाटक के तत्व, विशेषताएँ, निर्माण तकनीक रेडियो नाटक के प्रकार (झलकी, फॅन्टसी, एक पात्री (मोनोलॉग) संगीत व काव्यनाटक, प्रहसन, रूपांतरण।
इकाई –**III**	रेडियो–विज्ञापन : परिभाषा, विकास एवं महत्व विज्ञापन के प्रकार रेडियो विज्ञापन की शैली एवं विशेषताएँ आचार संहिता, निर्माण प्रक्रिया आकाशवाणी समाचार : आशय, स्वरूप और स्रोत (एजेन्सियाँ) रेडियो समाचार लेखन, संपादन, संगठनात्मक स्वरूप, आचार संहिता।
इकाई –**IV**	प्रायोगिक : आवाज (Voice) या वाणी, परिभाषा, प्रकार आवाज के मूलतत्व (Speech Personality) वाणी की समस्याएँ, प्रस्तोता के लिए आवश्यक कार्य निर्देश–पढ़ने और बोलने का अंतर प्रस्तुतिकरण की तकनीक स्वर (वाणी) नियंत्रण (Vocal Volume) शब्द भेद : विराम चिह्न, स्वराघात, अवकाश, देहबोली, नेत्रसंपर्क रेडियो प्रस्तुति व लेखन के आवश्यक तत्व तकनीकि जानकारी – सामान्य परिचय।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। एक प्रश्न प्रायोगिक पूछा जाएगा।)

अंकविभाजन– पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन–50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20 (छात्रों द्वारा प्रत्यक्ष कार्य अपेक्षित है।) प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा – ५०

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

एक प्रायोगिक प्रश्न : 1 x10 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. संप्रेषण और रेडियो शिल्प — विश्वनाथ पांडेय
2. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया — मधुकर लेले
3. आकाश में घुमते शब्द — डॉ. सुनिल केशव देवधर
4. रेडियो वार्ता शिल्प — सिद्धनाथ कुमार
5. रेडियो प्रसारण की नई तकनीक — डॉ. किशोर सिन्हा
6. लिखी कागद कोरे — डॉ. सुनील केशव देवधर
7. हिंदी रेडियो नाटक — डॉ. जयभान गुप्त
8. रेडियो पत्रकारिता सिद्धांत एवं कार्यप्रणाली — चक्रधर कंडवाल
9. वाणी संचार रेडियो प्रसारण — डॉ. सुनील केशव देवधर

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

द्वितीय अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : H 8 (घ) कथासाहित्य

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. उपन्यास विधा से अवगत करना।
2. छात्रों को उपन्यास के कथ्यगत और शिल्पगत से अवगत कराना।
3. कहानी विधा से अवगत कराना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	**उपन्यास साहित्य** गुनाहों का देवता — डॉ. धर्मवीर भारती संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई —II	**उपन्यास साहित्य :** टोपी शुक्ला — राही मासूम रज़ा संवेदना और शिल्पगत अध्ययन।
इकाई —III	**कहानी साहित्य :** १) सज़ा — किरण सिंह २) इशू की कीले — किरण सिंह संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।
इकाई —IV	मोहनदास — उदयप्रकाश संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। तथा सभी इकाइयों से ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : १००

आंतरिकमूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. मोहनदास — उदयप्रकाश
2. टोपी शुक्ला — राही मासूम रज़ा
3. गुनाहों का देवता — डॉ. धर्मवीर भारती
4. हिंदी उपन्यास — डॉ. रामदरश मिश्र
5. उपन्यास स्वरूप और संवेदना — राजेंद्र यादव
6. राही मासूम रज़ा का साहित्य : संवेदना और शिल्प — पूनम त्रिवेदी
7. जनवादी कहानीकार उद्‌यप्रकाश — टीना थामस
8. 'टोपी शुक्ला' में चित्रित सांप्रदायिक सद्‌भाव — जयराम गाडेकर

XXX

एम. ए. हिंदी साहित्य
तृतीय अयन

H- 9 आधुनिककाव्य

H- 10 भारतीय काव्यशास्त्र

H- 11 अनुवाद : सिद्धांतऔरव्यवहार

H- 12 वैकल्पिक

ट) विविध विमर्श (दलित, आदिवासी, स्त्री, किन्नर)

ठ) भाषाशिक्षण

एम. ए. हिंदी साहित्य

तृतीय अयन :

पाठ्यचर्या : H 9 आधुनिक काव्य

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को आधुनिक काव्य से अवगत कराना।
2. छात्रों में आधुनिक काव्य के अध्ययन, आस्वादन तथा मूल्यांकन की दृष्टि से विकसित करना।
3. छात्रों को काव्य संवेदना और शिल्पगत अध्ययन से अवगत कराना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	जयशंकर प्रसाद कामायनी (श्रद्धा सर्ग) संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन
इकाई —II	शमशेर बहादुर सिंह १) बात बोलेगी २) एक पीली शाम संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन
इकाई —III	रघुवीर सहाय १) लोग भूल गए २) आत्महत्या के विरूद्ध संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन
इकाई —IV	अनामिका १) तुलसी का झोला २) आम्रपाली संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। तथा सभी इकाइयों से ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. कामायनी का पुनरमूल्यांकन — डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
2. कमायनी : एक पुनर्विचार — ग. मा. मुक्तिबोध
3. नये कविता के प्रतिमान — डॉ. नामवर सिंह
4. नयी कविता और रघुवीर सहाय का काव्य — अजित तिवारी
5. रघुवीर सहाय का कविकर्म — सुरेश वर्मा
6. अनामिका का काव्य : आधुनिक स्त्री विमर्श — मंजु रस्तोगी
7. आधुनिक काव्य — डॉ. सदानंद भोसले
8. बात बोलेगी — शमशेर बहादुर सिंह
9. कुछ कविताएँ व कुछ और कविताएँ — शमशेर बहादुर सिंह
10. कवियों का कवि शमशेर — रंजना अरगडे
11. दूब—धान — अनामिका

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

तृतीय अयन :

पाठ्यचर्या : H 10 भारतीय काव्यशास्त्र

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. भारतीय काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
2. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रमुख संप्रदायों से अवगत कराना।
3. रचना वैशिष्ट्य और मूल्यबोध को परखने की क्षमता को विकसित करना।
4. आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	भारतीय काव्यशास्त्र का विकासक्रम रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस निष्पति के सिद्धांत, रस के अंग, साधारणीकरण।
इकाई —II	अलंकार सिद्धांत : परिभाषा, स्वरूप, अलंकर और अलंकार्य, अलंकारों का मनोवैज्ञानिक आधार, काव्य में अलंकार का महत्व। रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति के भेद, काव्य—गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
इकाई —III	वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व । ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद।
इकाई —IV	औचित्य सिद्धांत : औचित्य सिद्धांत का स्वरूप, औचित्य के भेद, काव्य में औचित्य की अनिवार्यता।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x10 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्यशास्त्र — आ. बलदेव उपाध्याय
2. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (खंड १ और २) — डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
3. काव्यशास्त्र की भूमिका — डॉ. नगेंद्र
4. भारतीय काव्यशास्त्र — सत्यदेव चौधरी
5. काव्यशास्त्र — भगीरथ मिश्र
6. भारतीय काव्यशास्त्र — डॉ. योगेंद्र प्रतापसिंह
7. भारतीय काव्यशास्त्र — डॉ. विश्वंभरनाथ उपाध्याय
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत — डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
9. विश्वसाहित्य शास्त्र — सं. नगेंद्र

x x x

एम. ए. हिंदी साहित्य

तृतीय अयन :

पाठ्यचर्या : H 11 अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. अनुवाद के स्वरूप, व्याप्ति और उपयोगिता से परिचित कराना।
2. अनुवाद–प्रक्रिया का विधिगत परिचय देना।
3. अनुवाद–कौशल का विकास करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई –I	अनुवाद : महत्व, परंपरा तथा स्वरूप। अनुवाद सिद्धांत : स्वरूप, क्षेत्र, विकास क्रम।
इकाई –II	अनुवाद प्रक्रिया।
इकाई –III	अनुवाद के प्रकार अनुवाद प्रणाली अनुवाद कार्य।
इकाई –IV	अनुवाद कार्य में सहायक साधन : कोश, सूचियाँ, विषय विशेष के ग्रंथ, संगणक आदि। मशीनी अनुवाद आवश्यकता, समस्याएँ लिप्यांतरण : आवश्यकता, समास्याएँ अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंकविभाजन– पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन–50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20 (छात्रों से प्रत्यक्ष अनुवाद कार्य करवाया जाएगा।) प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा –50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद की रूपरेखा — डॉ. सुरेश कुमार
2. अनुवाद कला — भोलानाथ तिवारी
3. अनुवाद की प्रक्रिया तकनीक और समस्याएँ — डॉ. श्रीनारायण समीर
4. अनुवाद और अनुप्रयोग — डॉ. दिनेश चमोला
5. अनुवाद के भाषिक पक्ष — विभा गुप्ता

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

तृतीय अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : H 12 (ट) विविध विमर्श (दलित, आदिवासी, स्त्री, किन्नर)

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को स्त्री विमर्श से अवगत कराना।
2. छात्रों को दलित विमर्श से अवगत कराना।
3. छात्रों को आदिवासी विमर्श से अवगत कराना।
4. छात्रों को किन्नर विमर्श से अवगत कराना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	स्त्री विमर्श फैसला — मैत्रेयी पुष्पा संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन
इकाई —II	दलित विमर्श छप्पर — जयप्रकाश कर्दम संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन
इकाई —III	आदिवासी विमर्श धरती आबा — ऋषिकेश सुलभ संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन
इकाई —IV	किन्नर विमर्श किन्नर कथा — महेंद्र भीष्म संवेदना एवं शिल्पगत अध्ययन

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। तथा सभी इकाइयों से ससंदर्भ व्याख्या के लिए प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

ससंदर्भ व्याख्या : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय समाज में दलित एवं स्त्री — डॉ. चमनलाल
2. दलित चेतना — सं. रमणिका गुप्त
3. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र —जयप्रकाश कर्दम
4. भारतीय साहित्य और आदिवासी विर्मश — सं. डॉ. माधव सोनटक्के
5. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी — सं. रमणिका गुप्त
6. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श — जगदीश चतुर्वेदी
7. दलित साहित्य मानवीय अधिकारों का महायुद्ध — नितीन गायकवाड
8. दलित अभिव्यक्ति संवाद और प्रतिवाद — सं. रूपचंद गौतम
9. जातिविहीन समाज की ओर 'छप्पर' — डॉ. नितीन
10. 'इतर' लौंगिकता की राजनीति — सं. डॉ. महेश दवंगे
11. भारतीय साहित्य एवं समाज में तृतीय लिंगी विमर्श — सं. डॉ. विजेंद्रप्रताप सिंह, रविकुमार गोंड

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

तृतीय अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : H 12 (ठ) भाषा शिक्षण

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. भाषा शिक्षण के स्वरूप से परिचित कराना।
2. भाषा शिक्षण प्रणालियों तथा भाषा परीक्षण—मूल्यांकन विधियों से परिचित कराना।
3. भाषा शिक्षण में सहायक साधन—सामग्री का परिचय देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	भाषा शिक्षण : स्वरूप और उद्देश्य भाषा शिक्षण संदर्भ में भाषा प्रकार : मातृभाषा द्वितीय भाषा : भाषा शिक्षण की प्रक्रिया विदेशी भाषा : भाषा शिक्षण की प्रक्रिया माध्यम के रूप में भाषा।
इकाई —II	भाषा कौशल और विकास : श्रवण, भाषण, वाचन तथा लेखन कौशलों का स्वरूप और योग्यता प्राप्ति के विविध सोपान।
इकाई —III	भाषा शिक्षण की प्रणालियाँ : व्याकरण अनुवाद प्रणाली, प्रत्यक्ष प्रणाली, संप्रेषणपरक प्रणाली, संरचनात्मक प्रणाली भाषा परीक्षण एवं मूल्यांकन : स्वरूप उद्देश्य और विधियाँ।
इकाई —IV	भाषा शिक्षण में उपयोगी साधन सामग्री कक्षा में प्राप्त सामग्री : नक्शे, चार्ट, मॉडल, चित्र आदि। वाचन सामग्री : पुस्तकें, पत्र—पत्रिकाएँ, कोश आदि। अनौपचारिक साधन : आकाशवाणी, चलचित्र, दूरदर्शन आदि। मल्टीमिडिया सामग्री कंप्यूटर और भाषा शिक्षण पाठ नियोजन : सिद्धांत और प्रक्रिया पाठ नियोजन की आवश्यकता, पाठ नियोजन की तकनीक, दैनिक पाठ—योजना।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग — रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास — कैलाशचंद्र भाटिया
3. हिंदी शिक्षण — मनोरमा शर्मा
4. हिंदी भाषा शिक्षण — भोलानाथ तिवारी, कैलाश भाटिया
5. भाषा शिक्षण — डॉ. रविंद्रनाथ श्रीवास्तव
6. प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण — रविंद्रनाथ श्रीवास्तव, शारदा भसीन
7. हिंदी शिक्षण — उषा सिंहल
8. हिंदी शिक्षण : अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य — सं. सतीशकुमार रोहरा, सूरजभान सिंह
9. भाषा एवं भाषा शिक्षण (भाग 1, 2,3) — रमाकांत अग्निहोत्री
10. हिंदी शिक्षण — केशव प्रसाद
11. हिंदी शिक्षण — डॉ. जयनारायण कौशिक

XXX

एम. ए. हिंदी साहित्य
चतुर्थ अयन

H- 13 भारतीय साहित्य

H- 14 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

H- 15 हिंदी साहित्य का इतिहास

H- 16 वैकल्पिक

ड) शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र

ढ) भारतीय लोकसाहित्य

एम. ए. हिंदी साहित्य

चतुर्थ अयन :

पाठ्यचर्या : H 13 भारतीय साहित्य

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप से परिचित कराना।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं से अवगत कराना।
3. सांस्कृतिक दृष्टि का विकास करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	भारतीय साहित्य की अवधारणा भारतीय साहित्य का स्वरूप भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
इकाई —II	भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब भारतीयता का समाजशास्त्र हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति
इकाई —III	कन्नड साहित्य का इतिहास १) पंपपूर्व युग २) पंप युग ३) बसवा युग ४) कुमराव्यास युग ५) आधुनिक युग
इकाई —IV	नाट्य साहित्य नागमंडल — गिरीश कर्नाड कन्नड का नाटक साहित्य कन्नड का रंगमंच नागमंडल का तात्विक मूल्यांकन

(सभी इकाईयों पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य — डॉ. नगेंद्र
2. भारतीय वाङ्मय — संपा. डा. नगेंद्र
3. भारतीय साहित्य की भूमिका — रामविलास शर्मा
4. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ — के. सच्चिदानंद
5. भारतीय साहित्य — डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय
6. भारतीय साहित्य — डॉ. रामछबीला त्रिपाठी
7. हिंदी और कन्नड के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन — डॉ. व्ही. व्ही. हब्बल्ली
8. कन्नड साहित्य का इतिहास — रं. श्री. मुगळी।

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

चतुर्थ अयन :

पाठ्यचर्या : H 14 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
2. पाश्चात्य चिंतकों के चिंतन, सिद्धांत और प्रमुख आंदोलनों से अवगत करना।
3. छात्रों को सृजन, आस्वादन एवं आलोचना दृष्टि देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का विकासक्रम प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत अरस्तू का अनुकरण सिद्धांत अरस्तु का विरेचन सिद्धांत : स्वरूप, विवेचन। विरेचन का महत्व, त्रासदी का विवेचन
इकाई —II	टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशील का असाहचर्य। उदात्त सिद्धांत : उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग और बहिरंग तत्व, काव्य में उदात्त का महत्व, लोंजाइनस का योगदान।
इकाई —III	आई. ए. रिचर्डस का मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत काव्य में मूल्य की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप, संप्रेषण सिद्धांत का महत्व
इकाई —IV	विविधवाद : स्वरूप, विवेचन एवं महत्व अभिव्यंजनवाद, विखंडनवाद,अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकता।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाश्चात्य साहित्य चिंतन — निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
2. संरचनावाद, उत्तरसंरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र — गोपीचंद नारंग
3. आधुनिक परिवेश और अस्तित्वाद — शिवप्रसाद सिंह
4. अस्तित्ववाद और मानववाद — ज्यां पॉल सार्त्र
5. उत्तर—आधुनिकतावाद और उत्तर—संरचनावाद — सुधीर पचौरी
6. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा — निर्मला जैन
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ — सत्यदेव मिश्र
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत — मैथिलीप्रसाद भारद्वाज
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : इतिहास सिद्धांत और वाद — डॉ. भगीरथ मिश्र
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन — डॉ. बच्चन सिंह
11. अरस्तु का काव्यशास्त्र — डॉ. नगेंद्र
12. पाश्चात्य काव्वशास्त्र — देवेंद्रनाथ शर्मा
13. विश्व साहित्यशास्त्र — सं. डॉ. नगेंद्र

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

चतुर्थ अयन :

पाठ्यचर्या : H 15 हिंदी साहित्य का इतिहास

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्येतिहास लेखन का परिचय देना।
2. हिंदी साहित्येतिहास के कालविभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
3. आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन तथा आधुनिक कालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, रचनाकारों और रचनाओं से परिचित कराना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	साहित्येतिहास लेखन की परंपरा हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, आधारभूत सामग्री और हिंदी सहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ। हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा—निर्धारण और नामकरण हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, लौकिक साहित्य।
इकाई —II	पूर्वमध्यकाल : भक्तिकाव्य की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन विभिन्न काव्यधाराएँ (निर्गुण, सगुण, संप्रदाय निरपेक्ष, नीतिसहित) तथा उनकी विशेषताएँ।
इकाई —III	उत्तर मध्यकाल : रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परंपरा रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमूक्त)
इकाई —IV	आधुनिक काल : आधुनिक काल की राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण, भारतेंदु युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, स्वच्छंदतावाद, छायावादी, काव्य की प्रवृत्तियाँ। प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ। हिंदी गद्य का विकास (निबंध, नाटक, कहानी, उपन्यास, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, डायरी)

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)
अंक विभाजन – पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन–50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा –50

आलोचनात्मक प्रश्न : 5 x10 = 50
टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य की भूमिका – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. हिंदी साहित्य का आदिकाल – आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
5 हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
6 हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7 हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेंद्र
8 हिंदी साहित्य का अतीत – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
9 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह
10 हिंदी साहित्य का इतिहास – प्रो. माधव सोनटक्के

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

चतुर्थ अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : H 16 (ड) शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र के स्वरूप क्षेत्र और विकास का परिचय देना।
2. शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र के तत्वों का परिचय देना।
3. पाश्चात्य एवं भारतीय चिंतकों के चिंतनधारा का परिचय देना।
4. छात्रों में सौंदर्य दृष्टि का विकास करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	शैली और शैलीविज्ञान शैलीविज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और विकास शैली के उपकरण, शैली तत्व।
इकाई —II	शैलीविज्ञान और अन्य ज्ञानशाखाएँ भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, सौंदर्यशास्त्र।
इकाई —III	सौंदर्य : परिभाषा, स्वरूप, सौंदर्य और कला का अंत:संबंध, सुंदर और उदात्त, सौंदर्य की कलावादी दृष्टि, सौंदर्य के उपादान।
इकाई —IV	सौंदर्यशास्त्र : स्वरूप एवं व्याप्ति, सौंदर्यबोध और रसानुभूति का परस्पर संबंध एवं अंतर। साहित्य का सौंदर्य बोध, सौंदर्यशास्त्र के उपादान। सौंदर्यशास्त्र का अन्यशास्त्रों से संबंध : दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान,कलाविज्ञान।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. शैली विज्ञान — डॉ. नगेंद्र
2. शैली विज्ञान — डॉ. सुरेश कुमार
3. शैली विज्ञान : प्रतिमान और विश्लेषण — डॉ. शशिभूषण शीतांषु
4. सौंदर्यशास्त्र के तत्व — डॉ. विमल कुमार
5. रससिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र — डॉ. निर्मला जैन
6. अथातो सौंदर्य जिज्ञासा — डॉ. रमेश कुंतल मेघ
7. सौंदर्यतत्व निरुपण — एस. टी. नरसिंहचारी
8. सौंदर्यशास्त्री की पाश्चात्य परंपरा — नीलकांत

X X X

एम. ए. हिंदी साहित्य

चतुर्थ अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : H 16 (ढ) भारतीय लोकसाहित्य

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. लोकसाहित्य के स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराना।
2. लोकसाहित्य के विविध प्रकारों से परिचित कराना।
3. लोक साहित्य की व्यापकता से परिचित कराना।
4. महाराष्ट्र के लोक साहित्य का परिचय देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	लोकसाहित्य की परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएँ लोक संस्कृति और साहित्य भारत में लोकसाहित्य के अध्ययन का इतिहास।
इकाई —II	लोक—साहित्य संकलन : उद्देश्य, संकलन की पद्धतियाँ, संकलन कर्ता की समस्याएँ तथा समाधान।
इकाई —III	लोक—गीत : संस्कार, व्रत, श्रम, ऋतु, जाति। लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनिया, स्वांग, यक्षगान, भवाई, संपेडा, माच, तमाशा, नौटंकी, जात्रा, कथकली। महाराष्ट्र का लोकनाट्य : तमाशा, गोंधळ, लावणी, पोतराज, सुंबरन, वासुदेव, भारुड, लळित, दशावतार, पोवाडा, कीर्तन।
इकाई —IV	लोक—कथा : व्रत कथा, परी कथा, नाग कथा, बोध कथा, कथानक रूढ़ियाँ। लोक संगीत : लोकवाद्य तथा विशिष्ट लोक धुनें। लोकभाषा : लोक सुभाषित, मुहावरे, कहावतें, पहेलियाँ।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय लोकसाहित्य — डॉ. श्याम परमार
2. लोकसाहित्य की भूमिका — डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
3. लोकसाहित्य की भूमिका — पं. रामनरेश त्रिपाठी
4. महाराष्ट्र की हिंदी लोककला — कृ. ग. दिवाकर
5. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति — दिनेश्वर प्रसाद
6. परंपारिक भारतीय रंगमंच — कपिला वात्स्यायन, अनु. बरीउज्जया
7. लोकसाहित्य विज्ञान — डॉ. सत्येंद्र
8. लोकसाहित्य एवं लोक संस्कृति : परंपरा की प्रासंगिकता एवं सामाजिक परिप्रेक्ष्य — सं. वीरेंद्रसिंह यादव

XXX

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी
प्रथम अयन

PH- 1 भाषा और भाषा विज्ञान

PH- 2 कंप्यूटर परिचय और भाषिक अनुप्रयोग

PH- 3 रेडियो लेखन और प्रस्तुति

PH- 4 वैकल्पिक

क) हिंदी नाटक और रंगमंच

ख) कोश विज्ञान

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम अयन :

पाठ्यचर्या : PH 1 भाषा और भाषाविज्ञान

4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. भाषाविषयक विभिन्न अवधारणाओं से अवगत कराना।
2. भाषा विज्ञान के स्वरूप, व्याप्ति और अध्ययन की दिशाओं का परिचय देना।
3. भाषा और भाषाविज्ञान के व्यावहारिक पक्ष का परिचय कराना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण भाषा व्यवस्था और भाषा—व्यवहार भाषा—संरचना और भाषिक प्रकार्य बोली और भाषा
इकाई —II	भाषाविज्ञान की परिभाषा, स्वरूप और व्याप्ति भाषाविज्ञान के प्रकार स्वनविज्ञान : स्वन की परिभाषा, स्वन का स्वरूप वाग्अवयव और उनके कार्य स्वनों का वर्गीकरण, स्वनिम की परिभाषा और स्वरूप स्वनिम के भेद और परिवर्तन
इकाई —III	रूपविज्ञान : रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ रूपिम की परिभाषा और भेद: मुक्त, आबद्ध, अर्थदर्शी, संबंधदर्शी संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य पदबंध
इकाई —IV	वाक्यविज्ञान : वाक्य की परिभाषा और स्वरूप अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद वाक्य—भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव, मूलवाक्य, रूपांतरित वाक्य, आंतरिक संरचना और बाहयसंरचना। अर्थ विज्ञान : अर्थ की परिभाषा और स्वरूप शब्द और अर्थ का स्वरूप, पर्यायता, विलोमता, अनेकार्थता अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ और कारण।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4x10 = 40

टिप्पणी : 2 x10 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान — भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र — डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
3. हिंदी भाषा संरचना — डॉ. भोलानाथ तिवारी
4. आधुनिक भाषाविज्ञान — डॉ. कृपाशंकर सिंह, डॉ. चतुर्भुज सहाय
5. हिंदी का वाक्यात्मक कारण — प्रो. सूरजभान सिंह
6. भाषाविज्ञान के आधुनातन आयाम — डॉ. अंबादास देशमुख
7. ऐतिहासिक भाषा विज्ञान और हिंदी — राजेंद्र प्रसाद सिंह
8. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चिंतन — रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. भाषाशास्त्र के सूत्रधार — रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
10. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा — लक्ष्मीकांत पाण्डेय/प्रमिला अवस्थी
11. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा — मुकेश अग्रवाल
12. भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा और लिपि — राम किशोर शर्मा
13. भाषा विज्ञान की भूमिका — देवेंद्रनाथ शर्मा/दीप्ति शर्मा
14. अद्यतन भाषा विज्ञान — पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
15. हिंदी भाषा विज्ञान — डॉ. बाबूराम
16. सामान्य भाषिकी — आर. एच. रोबिन्स
17. भाषिकी और संस्कृत भाषा — डॉ. देवीदत्त शर्मा
18. भारतीय भाषा विज्ञान की भूमिका — भोलनाथ तिवारी
19. भाषाविज्ञान कोश — भोलनाथ तिवारी

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम अयन :

पाठ्यचर्या : PH 2 कंप्यूटर परिचय और भाषिक अनुप्रयोग

4 : **क्रमांक**

उद्देश्य :

1. छात्रों को कंप्यूटर से अवगत करना।
2. छात्रों को हिंदी के विभिन्न सॉफ्टवेयर से अवगत करना।
3. छात्रों को हिंदी टंकण का प्रत्यक्ष कार्य करवाना।
4. छात्रों को इंटरनेट एवं वेब पेज से अवगत करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई –I	**कंप्यूटरपरिचय :** कंप्यूटर का इतिहास—विकासीय आयाम, कंप्यूटर शब्द का प्रयोग, कम्प्यूटर का वर्गीकरण, आधुनिक पर्सनल कंप्यूटर, कंप्यूटर का उपयोग। कंप्यूटरकी भाषा एवं प्रोग्राम—बाइनरी संख्या प्रणाली, आस्की, कम्प्युटर की भाषाएँ Machine Language, Assembly Language, High Level Languages, Fortran, C, C++, Pascal, Dbase, Oracle आदि की सामान्य जानकारी। कंप्यूटर संरचना—हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की सामान्य जानकारी, इनपुट युक्तियाँ (Input Devices) : कुन्जीपटल (Enter, Shift, Capslock, Tab, Numlock ect.), माऊस, स्केनर, डी. वी. डी. ड्राईव, कार्ड रीडर, माइक्रोफोन, आउटपुट युक्तियाँ (Output Devices) : मॉनीटर, स्पीकर, प्रिन्टर, प्रोजेक्टर, हेडफोन आदि। कंप्यूटरसंरचना—सी. पी. यू. पेटिका, मुख्य भाग, विद्युत प्रदाय इकाई, मदरबोर्ड, पोर्टस आदि। कम्प्यूटर की पारिभाषिक शब्दावली Aसे Z तक।
इकाई–II	**मायक्रोसॉफ्ट ऑफिस (Microsoft Office)** **एम. एस. वर्ड (M.S. Word)** : Introduction of M.S. Word, New Page Open, Adding Shapes, Insert Table. Page Layout, Page Number, Header & Footer, Previewing doc. Print a doc. Menus, Paragraph formats, Aligning Text, Borders & Multiple Columns, file lock, Paper Size, Colors information, keyboard Shortcuts ect. **एक्सेल (Excel)** : Introduction of Excel,Creating worksheet, heading information, data, text, cell formatting, toolbars & Menus, Wrap Text, Merge & Center, wordart, file lock, Page setting,keyboard Shortcutsect. **एम. एस. पॉवरपॉइंट (M.S. Word)** :Introduction of PPT,New Slide, Copy, delete, duplicate Slide, lay outing of slide, PPT Design, alignment, print slide, slide effects, PPT show, keyboard Shortcuts ect. Practical for Language Lab

इकाई–III	**डेक्स टॉप पब्लिशिंग** (D.T.P.) यूनीकोड (Unicode)की विस्तृत जानकारी, अन्य फॉन्ट की सामान्य जानकारी, एक फॉन्ट से दूसरे फॉन्ट में कन्वर्ट (Convert)कैसे करें। **Page Maker :** Introduction of Page Maker, all Menus, keyboard Shortcuts, Page Setting, Page break, Header & Footer, Multiple Columns, Borders & Coolersect & Files, Special effects, Print Doc., Save, close, open file ect. **Photoshop :**Introduction of Photoshop, Creating file, Mode of Color, Selection tolls, Printing document, Save file as a PDF, JPEG, TIFF, PNG ect. **Corel Draw :** Introduction of Corel Draw, New Creating Document, Type text, Saving Doc, coolers Practical for Language Lab
इकाई –**IV**	**इंटरनेट एवं वेबपेज डिजाइनिंग** (**Internet & Web page Designing**) **Internet** Evolution, Protocols, Interface Concepts, Internet Vs Intranet, Growth of Internet, ISP, Connectivity – Dial-up, Leased line, VSAT etc. URLs, Domain names, Portals, Application.E-Mail. Concepts, POP and WEB Based E-mail, merits, address, Basic of Sending & Receiving, E-mail Protocols, Mailing List, and Free E-mail services, FTP. **World Wide Web (WWW)** History, Working, Web Browsers, Its functions, Concept of Search Engines. Searching the Web, HTTP, URLs, Web Servers, Web Protocols. **Web Publishing** Concepts, Domain name Registration, Space on Host Server for Web site, HTML, Design tools, HTML editors, Image editors, Issues on Web site creations & Maintenance, FTP software for upload web site. हिंदी के प्रमुख इंटरनेटपोर्टल, डाउनलोडिंग और अपलोडिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर की जानकारी। Practical for Language Lab

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन —50

(लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना (20) में छात्रों से प्रत्यक्ष कार्य करवाया जाएगा।, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा के बढ़ते समय — ऋषभदेव शर्मा
2. Funda,ental of Computer – Rajaraman, Prentice Hall indiapvt. Limited, New Delhi
3. I. T. Tools and Application – Mansoor, Pragya Publication, New Delhi
4. कम्प्यूटरी सूचना प्रणाली विकास — राम बन्सल
5. जनसंचारिकी सिद्धांत और अनुप्रयोग — डॉ. राम लखन मीणा
6. सामयिक प्रयोजनमूलक हिंदी — पृथ्वीनाथ पाण्डेय
7. Learning Desk Publishing – Bangia Ramesh, Khanna Book Publishing, Delhi
8. BPB's DTP Course – Satish Jain, BPS Publication, New Delhi
9. Corel Draw – Vishnupriya Singh, Asian Computech books, Delhi
10. Smart DTP Course – Behera& Mishra, B. K. Publication Pvt. Ltd, Delhi
11. Web Designing Course - Singh, Minakshi & Singh,VishnuPriya, Asian Publisher, Delhi

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम अयन :

पाठ्यचर्या : PH 3 रेडियो लेखन और प्रस्तुति

4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. श्रव्य माध्यम के रूप में रेडियो से परिचित कराना।
2. रेडियो कार्यक्रमों का स्वरूप एवं व्याप्ति का परिचय देना।
3. रेडियो रूपकों की विधि—समझाना।
4. रेडियो समाचार और विज्ञापन का परिचय देना।
5. रेडियो संबंधी प्रयोगिक ज्ञान देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	रेडियो का संक्षिप्त इतिहास भारत में रेडियो प्रसारण आकाशवाणी और विविध भारती एफ. एम. चैनल्स सामुदायिक रेडियो तथा अन्य आकाशवाणी कार्यक्रमों का स्वरूप एवं व्याप्ति उद्घोषणा : कार्यक्रम विवरण, स्लोगन, मौसम, बाजार, रेल्वे सयम, उत्सव, मेले और प्रदर्शन, सरकारी/गैरसरकारी सूचनाएँ संदेश : राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल के संदेश एवं विशेष अवसरों, घटनाओं पर अपील शिक्षा : वार्ता, परिचर्चा, भेंटवार्ता, कविता, कहानी, नाटक, रेडियो रूपांतरण। मनोरंजन : शास्त्रीय, अशास्त्रीय संगीत, लोक, सुगम और फिल्म संगीत पाश्चात्य संगीत। समाचार : रेडियो रिपोर्ट, आँखों देखा हाल, सामायिक चर्चा, संसद और विधानसभा आदि की समीक्षा।
इकाई —II	आकाशवाणी रूपक, परिभाषा, विकास रूपकों का वर्गीकरण रूपक—लेखन शैली रूपक—निर्माण की प्रक्रिया (शीर्षक, संपादन, अवधि, स्वर, ध्वनि एवं संगीत) रूपक प्रारूप रेडियो नाटक : नाटक और रेडियो नाटक रेडियो नाटक के तत्व, विशेषताएँ, निर्माण तकनीक रेडियो नाटक के प्रकार (झलकी, फॅन्टसी, एक पात्री (मोनोलॉग) संगीत व काव्यनाटक, प्रहसन, रूपांतरण

इकाई —III	रेडियो—विज्ञापन : परिभाषा, विकास एवं महत्व विज्ञापन के प्रकार रेडियो विज्ञापन की शैली एवं विशेषताएँ आचार संहिता निर्माण प्रक्रिया आकाशवाणी समाचार : आशय, स्वरूप और स्रोत (एजेन्सियाँ) रेडियो समाचार लेखन, संपादन, संगठनात्मक स्वरूप, आचार संहिता
इकाई —IV	प्रायोगिक : आवाज (Voice) या वाणी, परिभाषा, प्रकार आवाज के मूलतत्व (Speech Personality) वाणी की समस्याएँ प्रस्तोता के लिए आवश्यक कार्य निर्देश—पढ़ने और बोलने का अंतर प्रस्तुतिकरण की तकनीक स्वर (वाणी) नियंत्रण (Vocal Volume) शब्द भेद : विराम चिह्न, स्वराघात, अवकाश, देहबोली, नेत्रसंपर्क रेडियो प्रस्तुति व लेखन के आवश्यक तत्व तकनीकि जानकारी — सामान्य परिचय

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। एक प्रश्न प्रायोगिक पूछा जाएगा।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

एक प्रायोगिक प्रश्न : 1 x10 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. संप्रेषण और रेडियो शिल्प — विश्वनाथ पांडेय
2. भारत में जनसंचार और प्रसारण मीडिया — मधुकर लेले
3. आकाश में घुमते शब्द — डॉ. सुनिल केशव देवधर
4. रेडियो वार्ता शिल्प — सिद्धनाथ कुमार
5. रेडियो प्रसारण की नई तकनीक — डॉ. किशोर सिन्हा
6. लिखी कागद कोरे — डॉ. सुनील केशव देवधर
7. हिंदी रेडियो नाटक — डॉ. जयभान गुप्त
8. रेडियो पत्रकारिता सिद्धांत एवं कार्यप्रणाली — चक्रधर कंडवाल
9. वाणी संचार रेडियो प्रसारण — डॉ. सुनील केशव देवधर

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : PH 4 (क) हिंदी नाटक और रंगमंच

4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. नाटक के स्वरूप एवं संरचना से परिचय कराना।
2. नाटक के रचनाविधान और रंगमंच से परिचय कराना।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास का परिचय देना।
4. नाट्यास्वादन और मूल्यांकन की दृष्टि विकसित करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	नाटक : परंपरा और विकास नाटक और रंगमंच, परिभाषा, स्वरूप एवं संरचना नाटक की भारतीय परंपरा नाटक की पाश्चात्य परंपरा पारसी थिएटर हिंदी नाटक का विकास।
इकाई —II	हिंदी रंगमंच हिंदी रंगमंच का विकासक्रम हिंदी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ रंगभाषा
इकाई —III	निर्धारित नाटक ताजमहल का टेंडर — अजय शुक्ला — कथ्यगत अध्ययन — रंगमंचीय अध्यन — तात्विक मूल्यांकन
इकाई —IV	निर्धारित कविता सबसे उदास कविता — स्वदेश दीपक — कथ्यगत अध्ययन — रंगमंचीय अध्यन — तात्विक मूल्यांकन

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। निर्धारित पाठ्यपुस्तकों पर ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न पूछा जाएगा।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)
सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40
ससंदर्भ व्याख्या : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. नाटक और रंगमंच — संपा. गिरिश रस्तोगी
2. रंग दर्शन — नेमिचंद्र जैन
3. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास — दशरथ ओझा
4. हिंदी नाटक — बच्चन सिंह
5. हिंदी नाट्‌य विमर्श — संपा. सदानंद भोसले
6. रंगभाषा — नमिचंद्र जैन
7. समकालीन हिंदी रंगमंच और रंगभाषा — आशीष त्रिपाठी
8. नाटक की साहित्यिक संरचना — गोविन्द चातक

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रथम अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : PH 4 (ख) कोश विज्ञान

4 कर्मांक

———————————————————————————————————

उद्देश्य :

1. कोश की अवधारणा का परिचय देना।
2. कोश–निर्माण के विभिन्न पक्षों से अध्येता को अवगत कराना।
3. कोश के अनुप्रयोग की विधि से अध्येता को अवगत कराना।

———————————————————————————————————

पाठ्यविषय :	
इकाई –I	कोश, परिभाषा और स्वरूप कोश की उपयोगिता, कोश और व्याकरण का अंत:संबंध कोश के भेद : समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमिक कोश, विषय कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, बोली कोश, विश्वकोश।
इकाई –II	कोश : निर्माण प्रक्रिया, सामग्री संकलन, प्रविष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटी, उच्चारण, व्युत्पत्ति, अर्थ (पर्याय, व्याख्या, चित्र), प्रयोग, उप–प्रविष्टियाँ, संक्षिप्तियाँ, संदर्भ और प्रतिसंदर्भ
इकाई –III	रूप अर्थ संबंध : अनेकार्थकता, समानार्थकता, समनामता, समध्वन्यात्मकता, विलोमता। कोश : निर्माण की समस्याएँ, समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में, अलिखित भाषाओं का कोश–निर्माण।
इकाई –IV	भारतीय कोश परंपरा तथा हिंदी कोश साहित्य का इतिहास हिंदी के प्रमुख कोश और कोशकार। कंप्यूटर और कोश–निर्माण

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंकविभाजन– पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन–50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा –50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. कोश विज्ञान — देवेंद्र वर्मा
2. कोश कला — डॉ. बदरीनाथ कपूर
3. कोश निर्माण : प्रविधि एवं प्रयोग — डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल
4. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान — संपा. रवींद्रनाथ श्री वास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी
5. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान सिद्धांत एवं प्रयोग — रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
6. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान की व्यावहारिक परख — गुर्रमकोंडा नीरज
7. कोश विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग — संपा. डॉ. हरदेव बाहरी

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी
द्वितीय अयन

PH- 5 राजभाषा हिंदी : संवैधानिक स्थिति

PH- 6 हिंदी भाषा की संरचना

PH- 7 शोध प्रविधि

PH- 8 वैकल्पिक

ग) प्रयोजनमूलक हिंदी अवधारणा और स्वरूप

घ) संचारमाध्यम : सिद्धांत और स्वरूप

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : PH 5 राजभाषा हिंदी : संवैधानिक स्थिति

4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. राजभाषा के स्वरूप और विकास से परिचित कराना।
2. राजभाषा और अन्य भाषाओं की अवधारणा का ज्ञान देना।
3. राजभाषा के संबंध में संवैधानिक स्थिति का ज्ञान देना।
4. त्रिभाषा सूत्र और राजभाषा के कार्यान्वयन की जानकारी देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	राजभाषा हिंदी : संकल्पना, परिभाषा और स्वरूप। राजभाषा, सह राजभाषा, द्वितीय राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषा राजभाषा का अभिलक्षणिक स्तर पर अंतर
इकाई —II	राष्ट्र—विकास में हिंदी भाषा की भूमिका भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता राजभाषा के रूप में हिंदी की स्वीकृति संबंधी मतभेदों का स्वरूप
इकाई —III	राजभाषा हिंदी की संवैधानिक स्थिति : संविधान का भाग—17 अनुच्छेद 120 से 210 और अनुच्छेद 343 से 351 राष्ट्रपति का आदेश—1952, 1955, 1960 राष्ट्रभाषा अधिनियम—1976
इकाई —IV	राजभाषा एकक और प्रबंधन वार्षिक कार्यक्रम और उसका कार्यान्वयन राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की समस्याएँ और बाधक तत्व द्विभाषा नीति और त्रिभाषा सूत्र हिंदी के प्रचार—प्रसार में सरकारी और स्वैच्छिक हिंदी संस्थाओं की भूमिका

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : १००

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4x10 = 40

टिप्पणी : 2 x10 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. राजभाषा हिंदी — डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
2. राजभाषा हिंदी — डॉ. भोलनाथ तिवारी
3. प्रयोजनमूलक हिंदी — रवींद्रनाथ तिवारी
4. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान — डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा
5. राजभाषा हिंदी : विवेचन और प्रयुक्ति — डॉ. किशोर वासवानी
6. भारत का संविधान प्राधिकृत संस्करण 2005
7. राजभाषा हिंदी — सेठ गोविंददास
8. राजभाषा प्रबंधन — डॉ. गोवर्धन ठाकुर
9. हिंदी : राष्ट्रभाषा से राजभाषा तक — विमलेश कांति वर्मा
10. बारहवीं सदी से राजकाज में हिंदी — रामबाबू शर्मा
11. भारतीय राष्ट्रभाषा : सीमाएँ तथा समास्याएं — डॉ. सत्यव्रत
12. राजभाषा के संदर्भ में हिंदी आंदोलन का इतिहास — उदयनारायण दुबे

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : PH 6 हिंदी भाषा की संरचना

4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. हिंदी भाषा की व्याकरणीय संरचना से परितचित कराना।
2. हिंदी भाषा के व्यावहारिक कौशल की क्षमता विकसित करना।
3. हिंदी भाषा और अन्य भाषा—संरचना का परिचय देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	हिंदी की व्याकरिण कोटियाँ लिंग, वचन, पुरुष कारक और पुनरावलोकन।
इकाई —II	हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ काल, पक्ष, वृत्ति और वाच्य, पुनरावलोकन।
इकाई —III	हिंदी का वाक्य विन्यास पद, पदबंध, पदक्रम उपवाक्य, रचना के आधार पर वाक्य — भेद, वाक्य पृथक्करण, वाच्य और प्रयोग आन्विति और हिंदी के प्रमुख वाक्य सांचे।
इकाई —IV	हिंदी पर हिंदीतर भारतीय तथा विदेशी भाषाओं का प्रभाव : शब्दरचना, रूप—रचना, वाक्य विन्यास आदि के संदर्भ में।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी व्याकरण — कामताप्रसाद गुरु
2. हिंदी शब्दानुशासन — आ. किशोरीदास वाजपेयी
3. मानक हिंदी का स्वरूप — डॉ. भोलानाथ तिवारी
4. हिंदी भाषा — डॉ. हरदेव बहारी
5. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास — कैलाशचंद्र भाटिया
6. विशुद्ध हिंदी भाषा — प्रो. सदानंद भोसले

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : PH 7 शोध प्रविधि

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को शोध प्रविधि से अवगत कराना।
2. शोध दृष्टि का विकास करना।
3. छात्रों को शोध प्रक्रिया और शोध प्रबंध से अवगत करवाना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	शोध का स्वरूप : शोध के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्द एवं उनका औचित्य शोध की विभिन्न परिभाषाएँ और उनका विश्लेषण शोध के उद्देश्य शोध की विवेचन पद्धति वस्तुनिष्ठ, तर्कसंगति, प्रमाणबद्धता।
इकाई —II	शोध के मूलतत्व : शोध और आलोचना शोध के भेद : साहित्यिक,साहित्येत्तर साहित्यिक शोध के भेद : वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, अंतर्विद्याशाखीय
इकाई —III	शोध प्रक्रिया : विषय चयन,सामग्री संकलन,हस्तलेख संकलन एवं उपयोगिता, तर्क पद्धति : निगमनात्मक पद्धति (Deductive Method) और आगमनात्मक पद्धति(Inductive Method)। विवेचन, निष्कर्ष, स्थापना
इकाई —IV	शोध—प्रबंध लेखन प्रणाली : शोध प्रबंध, शीर्षक निर्धारण, रूपरेखा, भूमिका लेखन, अध्याय विभाजन, संदर्भ उल्लेख, सहायक ग्रंथ सूची, परिशिष्ट, वर्तनी सुधार।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन —50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20 में छात्रों से प्रत्यक्ष कार्य करवाया जाएगा।, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. शोधतंत्र और सिद्धांत — शैलकुमारी।
2. शोध प्रविधि — डॉ. विनयमोहन शर्मा।
3. अनुसंधान की प्रक्रिया — डॉ. सावित्री सिन्हा, डॉ. विजयेंद्र स्नातक।
4. अनुसंधान प्रविधि — सुरेशचंद्र निर्मल।
5. अनुसंधान के तत्व — विश्वनाथप्रसाद मिश्र।
6. शोधतंत्र और सिद्धांत — शैलकुमारी।

x x x

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

द्वितीय अयन :

पाठ्यचर्या : PH 8 (ग) प्रयोजनमूलक हिंदी अवधारणा और स्वरूप

4 कर्मांक

उद्देश्य :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा और स्वरूप समझाना।
2. कार्यालय में प्रयुक्त हिंदी का परिचय देना।
3. जनसंचार माध्यमों का परिचय देना।
4. मशीनी अनुवाद का परिचय देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई –I	प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप एवं प्रयुक्तियाँ प्रयोजनमूलक हिंदी से तात्पर्य, नामकरण, परिभाषा प्रयोजनमूलक हिंदी स्वरूपगत विशेषताएँ प्रयोजनमूलक हिंदी व्यवहार क्षेत्र प्रयोजनमूलक हिंदी विविध प्रयुक्तियाँ।
इकाई –II	कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य प्रारूपण पत्रलेखन संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण, अनुवाद।
इकाई –III	जनसंचार माध्यमों की हिंदी जनसंचार : तात्पर्य एवं परिभाषा जनसंचार माध्यम : विभिन्न रूप परंपरागत जनसंचार माध्यम आधुनिक जनसंचार माध्यम जनसंचार माध्यमों की भाषा विज्ञापन लेखन
इकाई –IV	मशीनी अनुवाद मशीनी अनुवाद की परिभाषा मशीनी अनुवाद की विकास यात्रा मशीनी अनुवाद और इंटरनेट मशीनी अनुवाद की समस्याएँ।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। एक प्रश्न प्रायोगिक पूछा जाएगा।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4x10 = 40

प्रायोगिक प्रश्न : 2 x10 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद — डॉ. माधव सोनटक्के
2. प्रयोजनमूलक हिंदी — डॉ. विनोद गोदरे
3. प्रयोजनमूलक हिंदी — डॉ. तेजपाल चौधरी
4. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम — डॉ. अंबादास देशमुख
5. प्रयोजनमूलक हिंदी — डॉ. रामप्रकाश/डॉ. दिनेश गुप्त
6. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग — दंगल झाल्टे
7. प्रयोजनमूलक हिंदी — परमानंद पांचाल
8. प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम — डॉ. राणा

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

द्वितीय अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : PH 8 (घ) संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. संचार माध्यम और संप्रेषण अवधारणाओं का परिचय देना।
2. संचार माध्यम की अवधारणा और स्वरूप का परिचय देना।
3. संचार माध्यम की बहुआयामी भूमिका का परिचय देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	संचार, जनसंचार तथा संप्रेषण : अवधारणा और स्वरूप संचार माध्यम : सिद्धांत और स्वरूप संचार के संघटक तत्व संचार—माध्यमों से लाभ—हानि।
इकाई —II	संचार माध्यम का स्वरूप, विकास एवं कार्य सूचना क्रांति बनाम सूचना—उद्योग संचार माध्यम के प्रकार : 1) परंपरागत 2) मौखिक 3) लिखित 4) आधुनिक।
इकाई —III	आधुनिक संचार माध्यम : 1) मुद्रित, 2) रेडियो, 3) चलचित्र, 4) विद्युतीय, 5) बहुमाध्यम, 6) हाइपर मीडिया संचार माध्यमों द्वारा संप्रेषित संदेश की भाषिक प्रकृति।
इकाई —IV	संचार माध्यमों की बहुआयामी भूमिका : 1) जन संपर्क, 2) जन शिक्षण 3) जन प्रबोधन 4) जन निर्माण, 5) जन समस्या का समाधान, 6) जन रंजन वर्तमान सूचना क्रांति के विविध आयाम।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. जनसंचार के विविध आयाम — ब्रजमोहन गुप्त
2. जनमाध्यम और मासकल्चर — जगदीश्वर चतुर्वेदी
3. जनमाध्यम और पत्रकारिता (भाग : १, २) — प्रवीण दीक्षित
4. रेडियो और दूरदर्शन और हिंदी — डॉ. हरिमोहन
5. जनमाध्यम : संप्रेषण और विकास — देवेंद्र इस्सर
6. सिनेमाई भाषा और हिंदी संवादों का विश्लेषण — डॉ. किशोर वासवानी
7. जनसंचार — राधेश्याम शर्मा
8. जनसंचार सिद्धांत और अनुप्रयोग — विष्णु राजगढ़िया
9. जनसंचार माध्यम और पत्रकारिता सर्वांग — डॉ. जितेंद्र वत्स, डॉ. किरण बाल
10. जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता — डॉ. अर्जुन तिवारी

XXX

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी
तृतीय अयन

PH- 9 अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार

PH- 10 कार्यालयी हिंदी

PH- 11 हिंदी पत्रकारिता

PH- 12 वैकल्पिक

ट) माध्यम लेखन

ठ) प्रयोजनमूलक अनुवाद

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

तृतीय अयन :

पाठ्यचर्या : PH 9 अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार

4 : क्रमांक

उद्देश्य :

1. अनुवाद के स्वरूप, व्याप्ति और उपयोगिता से परिचित कराना।
2. अनुवाद–प्रक्रिया का विधिगत परिचय देना।
3. अनुवाद–कौशल का विकास करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई –I	अनुवाद का स्वरूप : परिभाषा, महत्व, व्याप्ति, अनुवाद कला या विज्ञान ? अनुवाद–प्रक्रिया : मूलभाषा के पाठ का बोधन, लक्ष्यभाषा में अंतरण, पुन:सर्जन प्रक्रियागत स्थितियाँ : अर्थयोग, अर्थहानि, अर्थांतरण।
इकाई –II	अनुवाद के प्रकार : रूप के आधार पर : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, रूपांतरण विधा के आधार पर : काव्यानुवाद, नाट्यानुवाद, कथानुवाद
इकाई –III	संचार माध्यमों की बहुआयामी भूमिका : 1) जन संपर्क, 2) जन शिक्षण 3) जन प्रबोधन 4) जन निर्माण, 5) जन समस्या का समाधान, 6) जन रंजन वर्तमान सूचना क्रांति के विविध आयाम।
इकाई –IV	अनुवाद कार्य में सहायक साधन : कोश, सूचियाँ, विषय विशेष के ग्रंथ, संगणक आदि। मशीनी अनुवाद आवश्यकता, समस्याएँ लिप्यांतरण : आवश्यकता, समस्याएँ अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंकविभाजन– पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन–50 (लघुत्तरी परीक्षा–20, शोध परियोजना–20 में छात्रों से प्रत्यक्ष अनुवाद कार्य करवाया जाएगा, प्रस्तुतिकरण–10)

सत्रांत परीक्षा –50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद की रूपरेखा — डॉ. सुरेश कुमार।
2. अनुवाद कला — भोलानाथ तिवारी।
3. अनुवाद की प्रक्रिया तकनीक और समस्याएँ — डॉ. श्रीनारायण समीर।
4. अनुवाद और अनुप्रयोग — डॉ. दिनेश चमोला।
5. अनुवाद के भाषिक पक्ष — विभा गुप्ता।

XXX

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

तृतीय अयन :

पाठ्यचर्या : PH 10 कार्यालयी हिंदी

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. कार्यालयी हिंदी की प्रयुक्ति से परिचित कराना।
2. कार्यालयी हिंदी का अभ्यास करवाना।
3. कार्यालयी हिंदी का स्वरूप समझाना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	कार्यालयी हिंदी : तात्पर्य, स्वरूप, क्षेत्र और विशेषताएँ
इकाई —II	कार्यालयी हिंदी के वाक्य : कर्मप्रधान वाक्य, वाक्यांश या पदबंध प्रयोग, कर्ता का लोप, आज्ञार्थक, वाक्यांशों की अर्थवत्ता शैली के आधार पर विवेचन।
इकाई —III	कार्यालयी लेखन प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन टिप्पण।
इकाई —IV	सरकारी पत्राचार : सरकारी पत्र अर्ध सरकारी पत्र, परिपत्र, पृष्ठांकन अनुशासनिक पत्र, ज्ञापन, कार्यालय ज्ञापन संदेश, कार्यालयी आदेश, सूचना, अधिसूचना, संकल्प, निविदा, करार आदि।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। एक प्रश्न प्रायोगिक पूछा जाएगा।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

प्रायोगिक प्रश्न : 1 x10 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद — डॉ. माधव सोनटक्के, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कामकाजी हिंदी — केशरीलाल शर्मा
3. कामकाजी हिंदी — डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
4. कार्यालयी हिंदी — ठाकुरदास
5. प्रयोजनमूलक हिंदी और कार्यालयी हिंदी — डॉ. कृपाशंकर गोस्वामी
6. प्रयोजनमूलक हिंदी और कार्यालयी हिंदी — कृष्णकुमार गोस्वामी।
7. राजभाषा सहायिका— अवधेश मोहन गुप्त
8. सरकारी कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग — गोपीनाथ श्रीवास्तव
9. प्रामाणिक आलेखन एवं टिप्पण — प्रो. विराज
10. प्रयोजनमूलक हिंदी — ओमप्रकाश सिंघल
11. प्रशासनिक हिंदी — डॉ. महेशचंद्र गुप्त

XXX

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

तृतीय अयन :

पाठ्यचर्या : PH 11 हिंदी पत्रकारिता

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. पत्रकारिता की भाषा—प्रयुक्ति का परिचय देना।
2. हिंदी भाषा और साहित्य के विकास में हिंदी पत्र—पत्रकाओं के योगदान से परिचित कराना।
3. रोजगारपरक दृष्टि का विकास करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	हिंदी पत्रकारिता का उदय नवजागरणयुगीन हिंदी पत्रकारिता स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता हिंदी पत्रकारिता का स्वरूप एवं महत्व प्रेस कानून एवं आचार संहिता।
इकाई —II	समाचार संकलन, समाचार के स्रोत, समाचार अनुवर्तन समाचार समितियों की भूमिका संवाददाता और जनसंपर्क।
इकाई —III	पत्रकारिता लेखन समाचार, फीचर, संपादकीय, अग्रलेख रिपोर्टिंग, साक्षात्कार, समीक्षा।
इकाई —IV	मुद्रण एवं संपादन कला मुद्रण में कंप्यूटर का प्रयोग समाचारेतर सामग्री का संपादन शीर्षक, प्रुफ रीडिंग, ले आउट एवं साज—सज्जा, भाषा किसी एक विषय की (कृषि, विज्ञान, फिल्म, क्रीडा पत्रकारिता) भाषागत अध्ययन विश्लेषण।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन —50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना— (20) में पत्रकारिता विषयक भाषागत अध्ययन विश्लेषण परक होगी।, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता का इतिहास — कृष्ण बिहारी मिश्र
2. समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे — राजकिशोर
3. आज की हिंदी पत्रकारिता — सुरेश निर्मल
4. पत्रकारिता की लक्ष्मण रेखा — अलोक मेहता
5. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन कला — हरिमोहन
6. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संरचना — चंद्रदेव यादव
7. संपादन पृष्ठ सज्जा और मुद्रण — प्रो. रमेश जैन
8. पत्रकारिता और संपादन कला — प्रेमनाथ राय
9. फीचर लेखन : सृष्टि — डॉ. पूरन चंद।
10. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास — अर्जुन तिवारी
11. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ — विनोद गोदरे
12. स्माचार पत्र प्रबंधन — सं. अरविंद चतुर्वेदी
13. समाचार संपादन — सं. रामशरण जोशी
14. भेंटवार्ता और प्रेस कान्फ्रेंस — सं. नंदकिशोर त्रिखा
15. पत्रकारिता के सिद्धांत — डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी
16. पत्रकारिता : प्रशिक्षण एवं प्रेस विधि — सुजाता वर्मा

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

तृतीय अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : PH 12 (ट) माध्यम लेखन

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. माध्यम लेखन की विधि से परिचित कराना।
2. हिंदी माध्यम—लेखन की दिशा एवं संभावनाओं से अवगत कराना।
3. माध्यम लेखन की सर्जनात्मक दृष्टि प्रदान करना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	माध्यम लेखन : सिद्धांत और स्वरूप जनसंचार : प्रोद्योगिकी एवं चुनौतियाँ।
इकाई —II	विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप मुद्रण, श्रव्य, दृश्य—श्रव्य, इंटरनेट।
इकाई —III	श्रव्य माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा की प्रकृति समाचार लेखन एवं वाचन रेडियो नाटक उद्घोषणा लेखन विज्ञापन लेखन फीचर तथा रिपोर्ताज।
इकाई —IV	दृश्य—श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविजन एवं वीडियो) दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, डॉक्यूड्रामा विज्ञापन की भाषा इंटरनेट : सामग्री सृजन।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। एक प्रश्न प्रायोगिक होगा।)
अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20 में छात्रों से माध्यम लेखन के प्रत्यक्ष कार्य पर शोध परियोजना का कार्य किया जाएगा।, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40
प्रायोगिक प्रश्न : 1 x10 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक — हर्षदेव
2. जनसंचार — सं. राधेश्याम शर्मा
3. भाषा—प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन — सूर्यप्रकाश दीक्षित
4. मीडिया का बदलता चरित्र — हिमांशू शेखर
5. इलेक्ट्रनिक मीडिया : बदलते आयाम — डॉ. स्मिता मिश्र, डॉ. अमरनाथ 'अमर'
6. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार — डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र
7. पटकथा लेखन : एवं परिचय — मनोहर श्याम जोशी
8. टेलीविजन लेखन — असगर वजाहत
9. रेडियो नाटक की कला — सिद्धनाथ कुमार
10. दृश्य—श्रव्य एवं जनसंचार माध्यम — कृष्णकुमार रतु
11. रेडियो लेखन — मधुकर गंगाधर
12. संचार माध्यम लेखन — गौरी शंकर रैणा

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

तृतीय अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : PH 12 (ठ) प्रयोजनमूलक अनुवाद

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. साहित्येतर अनुवाद का अध्ययन कराना।
2. छात्रों को माध्यम अनुवाद से प्रेरित कराना।
3. छात्रों को विधि अनुवाद से प्रेरित कराना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	कार्यालयी अनुवाद : कार्यालयी अनुवाद : स्वरूप और प्रकार कार्यालयी अनुवाद : साधन और प्रक्रिया कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ।
इकाई —II	माध्यम अनुवाद : माध्यम अनुवाद : स्वरूप और प्रकार समाचारों का अनुवाद, विज्ञापनों का अनुवाद माध्यम अनुवाद की समस्याएँ।
इकाई —III	वैज्ञानिक—तकनीकी अनुवाद विज्ञान और वैज्ञानिक साहित्य वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्या मशीनी अनुवाद।
इकाई —IV	विधि अनुवाद : विधि अनुवाद स्वरूप और प्रकार विधि अनुवाद की भाषा विधि अनुवाद की समस्याएँ।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20 (छात्रों से अनुवाद कार्य करवाया जाएगा।) प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्ति और अनुवाद — डॉ. माधव सोनटक्के।
2. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ — डॉ. भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी, अजीतलाल गुलाये।
3. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ — भोलानाथ तिवारी, जितेंद्र गुप्त।
4. पत्रकारिता में अनुवाद — जितेंद्र गुप्त, अरुण प्रकाश।
5. विधि अनुवाद : विविध आयाम — कृष्ण गोपाल अग्रवाल।
6. अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ — डॉ. श्रीनारायण समीर।
7. अनुवाद और अनुप्रयोग — डॉ. दिनेश चमोला।
8. ई—अनुवाद और हिंदी — हरिशकुमार सेठी।

x x x

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी
चतुर्थ अयन

PH- 13 भाषा शिक्षण

PH- 14 विज्ञापन और हिंदी

PH- 15 हिंदी शब्दस्रोत और पारिभाषिक शब्दावली

PH- 16 वैकल्पिक

ड) हिंदी आलोचना

ढ) शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

चतुर्थ अयन :

पाठ्यचर्या : PH 13 भाषा शिक्षण

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. भाषा शिक्षण के स्वरूप से परिचित कराना।
2. भाषा शिक्षण प्रणालियों तथा भाषा परीक्षण—मूल्यांकन विधियों से परिचित कराना।
3. भाषा शिक्षण में सहायक साधन—सामग्री का परिचय देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	भाषा शिक्षण : स्वरूप और उद्देश्य भाषा शिक्षण संदर्भ में भाषा प्रकार : मातृभाषा द्वितीय भाषा : भाषा शिक्षण की प्रक्रिया विदेशी भाषा : भाषा शिक्षण की प्रक्रिया माध्यम के रूप में भाषा।
इकाई —II	भाषा कौशल और विकास : श्रवण, भाषण, वाचन तथा लेखन कौशलों का स्वरूप और योग्यता प्राप्ति के विविध सोपान।
इकाई —III	भाषा शिक्षण की प्रणालियाँ : व्याकरण अनुवाद प्रणाली, प्रत्यक्ष प्रणाली, संप्रेषणपरक प्रणाली, संरचनात्मक प्रणाली भाषा परीक्षण एवं मूल्यांकन : स्वरूप उद्देश्य और विधियाँ।
इकाई —IV	भाषा शिक्षण में उपयोगी साधन सामग्री कक्षा में प्राप्त सामग्री : नक्शे, चार्ट, मॉडल, चित्र आदि। वाचन सामग्री : पुस्तकें, पत्र—पत्रिकाएँ, कोश आदि। अनौपचारिक साधन : आकाशवाणी, चलचित्र, दूरदर्शन आदि। मल्टीमिडिया सामग्री, कंप्यूटर और भाषा शिक्षण पाठ नियोजन : सिद्धांत और प्रक्रिया पाठ नियोजन की आवश्यकता, पाठ नियोजन की तकनीक, दैनिक पाठ—योजना।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन— 50(लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग — रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास — कैलाशचंद्र भाटिया
3. हिंदी शिक्षण — मनोरमा शर्मा
4. हिंदी भाषा शिक्षण — भोलानाथ तिवारी, कैलाश भाटिया
5. भाषा शिक्षण — डॉ. रविंद्रनाथ श्रीवास्तव
6. प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण — रविंद्रनाथ श्रीवास्तव, शारदा भसीन
7. हिंदी शिक्षण — उषा सिंहल
8. हिंदी शिक्षण : अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य — सं. सतीशकुमार रोहरा, सूरजभान सिंह
9. भाषा एवं भाषा शिक्षण (भाग 1, 2,3)— रमाकांत अग्निहोत्री
10. हिंदी शिक्षण — केशव प्रसाद
11. हिंदी शिक्षण — डॉ. जयनारायण कौशिक
12. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत और प्रयोग — रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
13. हिंदी भाषा : स्वरूप और विकास — कैलाशचंद्र भाटिया

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

चतुर्थ अयन :

पाठ्यचर्या : PH 14 विज्ञापन और हिंदी

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. विज्ञापन के स्वरूप और महत्व का परिचय देना।
2. विज्ञापन के भाषिक पक्ष से अवगत कराना।
3. विज्ञापन—लेखन प्रविधि का प्रशिक्षण देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई –I	विज्ञापन : संकल्पना, स्वरूप एवं महत्व विज्ञापन व्यवसाय में हिंदी की आवश्यकता विज्ञापनों के अनुवाद।
इकाई–II	मुद्रित और विद्युतीय माध्यमों में विज्ञापनों का स्वरूप, प्रभेद और प्रतिस्पर्धा विज्ञापनों के प्रकार और उनकी भाषा।
इकाई –III	विज्ञापन का भाषिक पक्ष और उपभोक्तावाद विज्ञापन का श्रोता, पाठक और प्रेक्षक पर प्रभाव विज्ञापन लेखन : भाषा—शिल्प एवं प्रविधि।
इकाई–IV	विज्ञापन—कला, संपादन, निर्देशन एवं प्रस्तुति विज्ञापन कानून एवं आचार—संहिता।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। एक प्रश्न प्रायोगिक पूछा जाएगा।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20 (छात्रों से प्रत्यक्ष कार्य करवाया जाएगा।) प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

प्रायोगिक प्रश्न : 1 x10 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. विज्ञापन — अशोक महाजन
2. मीडिया लेखन: सिद्धांत और व्यवहार — डॉ. चंद्रप्रकाश
3. मीडिया लेखन — सं. रमेश त्रिपाठी, अग्रवाल
4. प्रयोजनमूलक हिंदी — डॉ. माधव सोनटक्के
5. जनसंपर्क, प्रचार एवं विज्ञापन — विजय कुलश्रेष्ठ
6. डिजिटल युग में विज्ञापन — सुधासिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी
7. विज्ञापन की दुनिया — कुमुद शर्मा
8. विज्ञापन डॉट कॉम — रेखा सेठी

xxx

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

चतुर्थ अयन :

पाठ्यचर्या : PH 15 हिंदी शब्द स्रोत और पारिभाषिक शब्दावली

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. छात्रों को हिंदी पारिभाषिक शब्दों से अवगत कराना।
2. छात्रों को पारिभाषिक शब्दों के निर्माण प्रक्रिया से अवगत कराना।
3. छात्रों को वर्तमान में पारिभाषिक शब्दों को महत्व से उजागार कराना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	हिंदी शब्दस्रोत और हिंदी शब्द समूह
इकाई —II	पारिभाषिक शब्दावली : तात्पर्य, परिभाषा, स्वरूप एवं लक्षण।
इकाई —III	पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण प्रक्रिया एवं सिद्धांत, निर्धारण पद्धतियाँ एवं समस्याएँ।
इकाई —IV	पारिभाषिक शब्दावली वर्गीकरण विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली अ) कार्यालयी आ) वित, वाणिज्य इ) मीडिया ई) विधि।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंकविभाजन— पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम — डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
2. प्रयोजनमूलक हिंदी — डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. प्रयोजनमूलक हिंदी के आधुनिक आयाम — डॉ. महेंद्रसिंह राणा, हर्षा प्रकाशन, आगरा
4. हिंदी : उद्‌धव विकास और रूप — डॉ. हरिदेव बाहरी, किताब महल, प्रकाशन इलाहबाद
5. सामाजिक विज्ञानों की पारिभाषिक शब्दावली का समीक्षात्मक अध्ययन — डॉ. गोपाल शर्मा
6. संघीय राजभाषा के संदर्भ में पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण की समस्याएँ — बलराज सिंह सरोज

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

चतुर्थ अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : PH 16 (ड) हिंदी आलोचना

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. आलोचना के स्वरूप एवं विविध प्रकारों से अवगत कराना।
2. हिंदी के प्रमुख आलोचकों के आलोचनात्मक प्रतीमानों का परिचय देना।
3. साहित्यालोचन एवं व्यावहारिक समीक्षा दृष्टि देना।

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	आलोचना : स्वरूप एवं उद्देश्य आलोचक के गुण आलोचना और अनुसंधान।
इकाई —II	आलोचना दृष्टियाँ एवं पद्धतियाँ शास्त्रीय, प्रभाववादी, व्याख्यात्मक, ऐतिहासिक, मार्क्सवादी, मनोवैज्ञानिक, नयी समीक्षा, मिथकीय, या आद्यरूपकीय, संरचनावादी, शैली वैज्ञानिक।
इकाई —III	हिंदी आलोचना का संक्षिप्त इतिहास भारतेंदुकालीन आलोचना, द्विवेदीयुगीन आलोचना, आ. शुक्ल युगीन आलोचना, शुक्लोतर आलोचना, समकालीन आलोचना।
इकाई —IV	हिंदी के प्रमुख आलोचक आ. रामचंद्र शुक्ल, आ. नंददुलारे वाजपेयी, आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नामवर सिंह।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. समीक्षा शास्त्र — डॉ. दशरथ ओझा
2. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ — डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
3. आलोचना:प्रकृति और परिवेश — डॉ. तारकानाथ बाली
4. आ. शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत — डॉ. रामलाल सिंह
5. इतिहास और आलोचना — डॉ. नामवर सिंह
6. आधुनिक आलोचना के बीज शब्द — बच्चन सिंह
7. हिंदी आलोचना — विश्वनाथ त्रिपाठी
8. समकालीन आलोचक और आलोचना — रामबक्ष
9. हिंदी आलोचना के सैद्धांतिक आधार — कृष्णदत्त पालीवाल
10. साहित्यशास्त्र तथा आलोचना — डॉ. माधव सोनटक्के
11. हिंदी आलोचना की पहचान — डॉ. राजमल बोरा
12. हिंदी आलोचना का बदलता परिप्रेक्ष्य — सं. डॉ. माधव सोनटक्के

X X X

एम. ए. प्रयोजनमूलक हिंदी

चतुर्थ अयन : वैकल्पिक

पाठ्यचर्या : PH 16 (ढ) शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र

4 : कर्मांक

उद्देश्य :

1. शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र के स्वरूप क्षेत्र और विकास का परिचय देना
2. शैलीविज्ञान एवं सौंदर्यशास्त्र के तत्वों का परिचय देना
3. पाश्चात्य एवं भारतीय चिंतकों के चिंतनधारा का परिचय देना
4. छात्रों में सौंदर्य दृष्टि का विकास करना

पाठ्यविषय :	
इकाई —I	शैली और शैलीविज्ञान शैलीविज्ञान की परिभाषा, स्वरूप, क्षेत्र और विकास शैली के उपकरण, शैली तत्व।
इकाई —II	शैलीविज्ञान और अन्य ज्ञानशाखाएँ भाषाविज्ञान, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, सौंदर्यशास्त्र।
इकाई —III	सौंदर्य : परिभाषा, स्वरूप, सौंदर्य और कला का अंत:संबंध, सुंदर और उदात्त, सौंदर्य की कलावादी दृष्टि, सौंदर्य के उपादान।
इकाई —IV	सौंदर्यशास्त्र : स्वरूप एवं व्याप्ति, सौंदर्यबोध और रसानुभूति का परस्पर संबंध एवं अंतर। साहित्य का सौंदर्य बोध, सौंदर्यशास्त्र के उपादान। सौंदर्यशास्त्र का अन्यशास्त्रों से संबंध : दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, कलाविज्ञान।

(उपर्युक्त सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अंक विभाजन — पूर्णांक : 100

आंतरिक मूल्यांकन—50 (लघुत्तरी परीक्षा—20, शोध परियोजना—20, प्रस्तुतिकरण—10)

सत्रांत परीक्षा —50

आलोचनात्मक प्रश्न : 4 x10 = 40

टिप्पणी : 2 x05 = 10

संदर्भ ग्रंथ :

1. शैली विज्ञान — डॉ. नगेंद्र
2. शैली विज्ञान — डॉ. सुरेश कुमार
3. शैली विज्ञान : प्रतिमान और विश्लेषण — डॉ. शशिभूषण शीतांषु
4. सौंदर्यशास्त्र के तत्व — डॉ. विमल कुमार
5. रससिद्धांत और सौंदर्यशास्त्र — डॉ. निर्मला जैन
6. अथातो सौंदर्य जिज्ञासा — डॉ. रमेश कुंतल मेघ
7. सौंदर्यतत्व निरुपण — एस. टी. नरसिंहचारी
8. सौंदर्यशास्त्री की पाश्चात्य परंपरा — नीलकांत
9. कला और सौंदर्य —सुरेंद्र बारलिंगे।

X X X